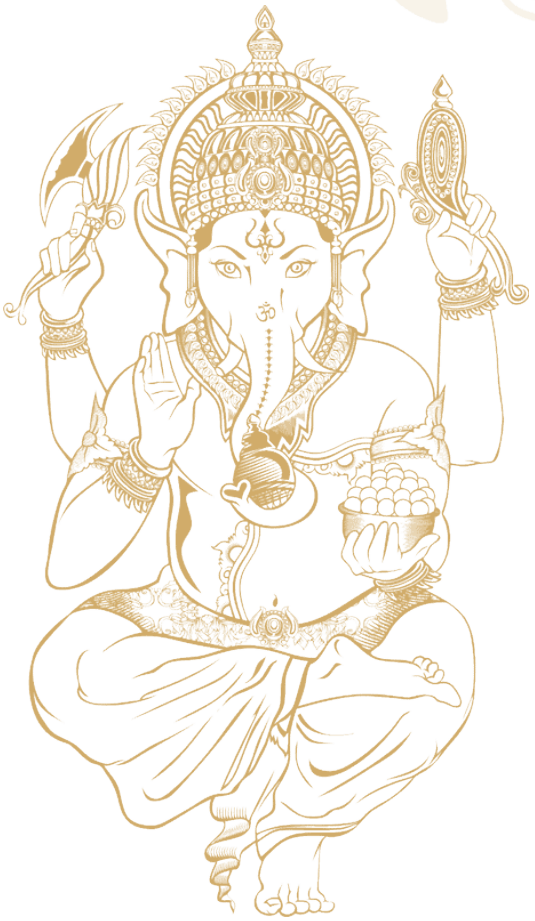

Vansu

23 Feb 2007

11:05 PM

Hathras

Model: web-freekundliweb

Order No: 121198105

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**23/02/2007**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**23:05:00 घंटे**
इष्ट	40:40:17 घटी
स्थान	**Hathras**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:36:00 उत्तर
रेखांश	78:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:47:08 घंटे
वेलान्तर	-00:13:27 घंटे
साम्पातिक काल	09:00:03 घंटे
सूर्योदय	06:48:53 घंटे
सूर्यास्त	18:14:04 घंटे
दिनमान	11:25:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	10:45:49 कुम्भ
लग्न के अंश	15:35:21 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	ऐन्द्र
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	इ-ईशा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	15:35:21	311:22:04	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	10:45:49	01:00:24	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	03:04:20	13:57:59	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			मक	04:16:42	00:45:21	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	उच्च राशि
बुध	व	अ	कुंभ	09:38:16	01:06:08	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
गुरु			वृश्चि	23:16:39	00:07:04	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			मीन	08:58:40	01:13:49	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	उच्च राशि
शनि	व		कर्क	26:38:47	00:04:39	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
राहु			कुंभ	22:14:48	00:00:23	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु			सिंह	22:14:48	00:00:23	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	20:09:22	00:03:24	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
नेप			मक	26:06:33	00:02:13	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो			धनु	04:39:15	00:01:09	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	---
दशम भाव			कर्क	18:35:29	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:30

लग्न-चलित

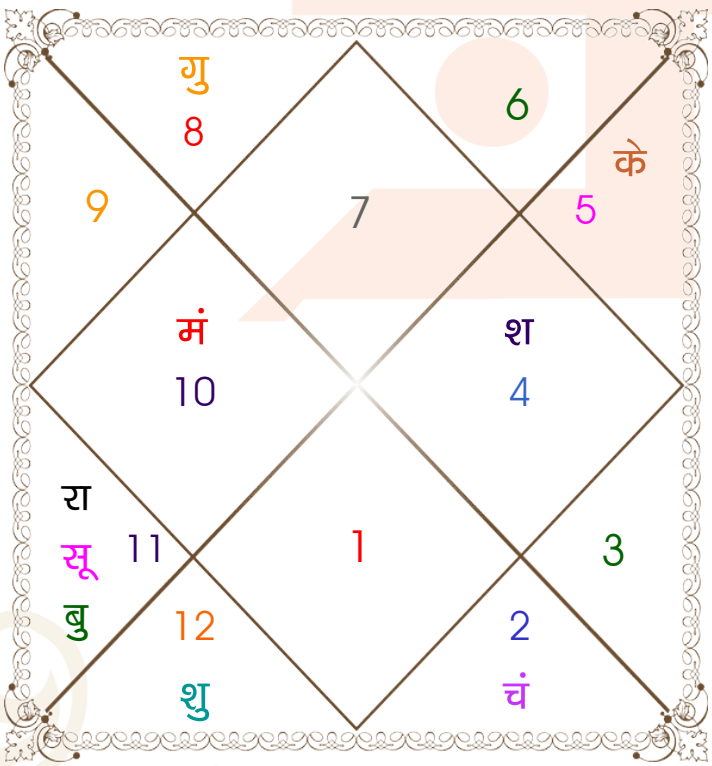

चन्द्र कुंडली

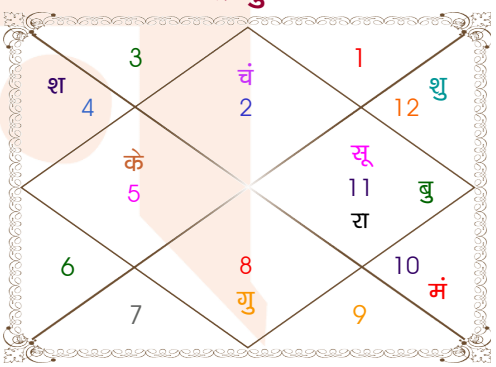

नवमांश कुंडली

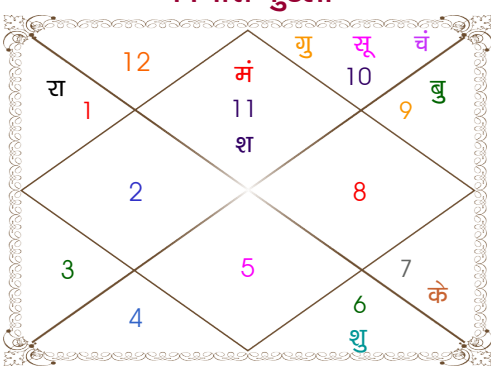

Shivshakti jotish sadan

Nakshtra darpan, Mata Wali Gali, Dadri, Uttar Pradesh 203207, India

8077312012,9412412012

acharyaji12012@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 1 मास 12 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
23/02/2007		07/04/2010		07/04/2020		07/04/2027		07/04/2045	
07/04/2010		07/04/2020		07/04/2027		07/04/2045		07/04/2061	
	00/00/0000	चंद्र	06/02/2011	मंगल	03/09/2020	राहु	19/12/2029	गुरु	26/05/2047
	00/00/0000	मंगल	07/09/2011	राहु	21/09/2021	गुरु	13/05/2032	शनि	06/12/2049
	00/00/0000	राहु	07/03/2013	गुरु	28/08/2022	शनि	20/03/2035	बुध	13/03/2052
	00/00/0000	गुरु	07/07/2014	शनि	07/10/2023	बुध	07/10/2037	केतु	17/02/2053
	23/02/2007	शनि	06/02/2016	बुध	03/10/2024	केतु	25/10/2038	शुक्र	19/10/2055
शनि	25/01/2008	बुध	07/07/2017	केतु	01/03/2025	शुक्र	25/10/2041	सूर्य	06/08/2056
बुध	30/11/2008	केतु	05/02/2018	शुक्र	01/05/2026	सूर्य	18/09/2042	चंद्र	06/12/2057
केतु	07/04/2009	शुक्र	07/10/2019	सूर्य	06/09/2026	चंद्र	19/03/2044	मंगल	12/11/2058
शुक्र	07/04/2010	सूर्य	07/04/2020	चंद्र	07/04/2027	मंगल	07/04/2045	राहु	07/04/2061

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
07/04/2061		07/04/2080		07/04/2097		08/04/2104		08/04/2124	
07/04/2080		07/04/2097		08/04/2104		08/04/2124		00/00/0000	
शनि	10/04/2064	बुध	03/09/2082	केतु	03/09/2097	शुक्र	08/08/2107	सूर्य	26/07/2124
बुध	19/12/2066	केतु	31/08/2083	शुक्र	03/11/2098	सूर्य	07/08/2108	चंद्र	25/01/2125
केतु	28/01/2068	शुक्र	01/07/2086	सूर्य	11/03/2099	चंद्र	08/04/2110	मंगल	02/06/2125
शुक्र	29/03/2071	सूर्य	08/05/2087	चंद्र	10/10/2099	मंगल	08/06/2111	राहु	26/04/2126
सूर्य	10/03/2072	चंद्र	06/10/2088	मंगल	08/03/2100	राहु	08/06/2114	गुरु	13/02/2127
चंद्र	10/10/2073	मंगल	03/10/2089	राहु	27/03/2101	गुरु	06/02/2117	शनि	24/02/2127
मंगल	18/11/2074	राहु	22/04/2092	गुरु	03/03/2102	शनि	08/04/2120		00/00/0000
राहु	24/09/2077	गुरु	29/07/2094	शनि	11/04/2103	बुध	07/02/2123		00/00/0000
गुरु	07/04/2080	शनि	07/04/2097	बुध	08/04/2104	केतु	08/04/2124		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 1 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के महिला हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने पति के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपने जीवन साथी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकती हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करती है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपके समझदार पति एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगी। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेंगी। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगी। अन्य शब्दों में आपके आय की आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगी। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगी। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगी। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।